>

Title : Problems being faced by people in North Bengal due to agitation by certain sections demanding separate Gorkhaland.

श्री मनोहर तिरकी (अलीपुरद्वार) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं जिस उद्देश्य से इसका उल्लेख करना चाहता था, उसकी आज के होम बजट में विस्तार से आलोचना हुई है कि दार्जीलिंग जो समस्याओं से परेशान है। शैल शहर के नाम से प्रसिद्ध दार्जीलिंग गोरखा आन्दोलन के नाम पर बन्द हो गया है। वहां बहुत मुसीबत हो रही है। इस संबंध में सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाह रहा था। आज होम मिनिस्ट्री के बजट पर बहस के दौरान इस पर विस्तृत चर्चा हुई। मैं उसका समर्थन करता हूं। होम मिनिस्टर ने डिक्लेयर किया कि उनके साथ बात होगी और बातचीत के बाद वहां शांति बनाए रखने के बारे में निर्णय लिया जाएगा। वह कोई अलग प्रान्त नहीं है। पश्चिम बंगाल में रहकर ही उन्हें एक स्वायत्त शासन चाहिए, जो दार्जीलिंग गोरखा हिल कौंसिल पहले थी, उसे बनाया जाए और स्वैच्छिक शासन की अनुमति दी जाए या सिक्स्थ शेडयूल में शामिल किया जाए। इसी के लिए मैं आवेदन करता हूं।